रंगों से करें शक्ति का संचय

कौन सी बीमारी किस गुण व शक्ति की कमी से होती है, और कौन सी बीमारी के लिये, कौन सी किरणें और कौन सा अभ्यास करें, जो जल्दी ठीक हो जाये। जैसे हमारे शरीर का फोटोग्राफ निकलता है, वैसे ही हमारे आभामंडल(ऑरा) का भी फोटोग्राफ निकलता है, उसे कलरियन फोटोग्राफी कहते हैं।

उसमें हमारे शरीर के सातो चक्र विविध रंगो में पाये जाते हैं। हर चक्र हमारे शरीर से संबंधित सात विभागों को आत्मिक ऊर्जा पहुँचाता है। इन सातो विभागों से सम्बन्धित, सात मुख्य ग्रंथियाँ व मुख्य मुद्रायें व आत्मा के गुण भी हैं।

जिस विभाग का, जिस चक्र का रंग हल्का हो जाता है या घूमने की गति कम हो जाती है या चक्र उल्टा घूमने लगता है, तो उससे संबंधित अवयवों में बीमारी शुरू हो जाती है। यदि हम परमात्मा से चक्र से संबंधित गुण व किरणें प्राप्त करते हैं, तो चक्र सुचारू रूप से कार्य करने लग जाता है और बीमारी ठीक हो जाती है।

शरीर का हर अंग आत्मा के सातो गुणों से पोषित होता है, एक गुण उस अंग के विकास व संभाल के लिए अति आवश्यक है।

1. सहस्त्रार चक्र
– पीनियल ग्रंथी और पाचन शक्ति
– रंग :- जामुनी
– गुण :- आनंद– खुशी की चरमसीमा आनंद कहलाती है।
– बीमारी :- तनाव, नींद न आना, हाई ब्लडप्रेशर, डिप्रेशन, एसिडिटी, गैस पाचन से सम्बंधित बीमारी आदि।
– परमात्मा से संबंध :- सिविल सर्जन

विज़न :- दृश्य बनायें और अनुभव करें, मैं आत्मा शिवबाबा के सम्मुख बैठी हूँ, उनसे दिव्य चमकती हुई जामुनी रंग की किरणें, आनंद के गुण सहित, मेरे सहस्त्रार चक्र में प्रवेश कर रही हैं। बाबा मुझे स्पर्श कर रहे हैं।(इसे महसूस करें) जिससे मैं आत्मा आनंद का पुंज हो चुकी हूँ। मैं आत्मा मास्टर आनंद का सागर बनती जा रही हूँ। चक्र से संबंधित अवयवों की व्याधियाँ ठीक हो चुकी हैं। मैं आत्मा आनंद का अनुभव कर रही हूँ।

2. आज्ञा चक्र
– पिटयूटरी ग्रंथि और मष्तिक(brain) नर्वस सिस्टम
– रंग :- गहरा नीला
– गुण :- ज्ञान
– बीमारी :- ब्रेन संबंधित, सिरदर्द, मायग्रेन, नर्वस सिस्टम, आँख, कान, नाक, दांत-मसूड़ें संबंधित।
– परमात्मा से संबंध :- सिविल सर्जन

विज़न:- दृश्य बनायें और अनुभव करें, मैं आत्मा शिवबाबा के सम्मुख बैठी हूँ, उनसे दिव्य चमकती हुई गहरे नीले रंग की किरणें ज्ञान के गुण सहित मेरे आज्ञा चक्र में प्रवेश कर रही हैं। बाबा मुझे स्पर्श कर रहे हैं...इसे महसूस करें। मैं आत्मा मास्टर ज्ञान सूर्य बनती जा रही हूँ... जिससे चक्र से संबंधित अवयवों की व्याधियाँ ठीक हो चुकी हैं। बुद्धि विवेकशील व तीक्ष्ण हो चुकी है।

3. विशुद्धि चक्र
– थायरॉइड ग्रंथी और फेफड़े
– रंग :- आसमानी
– गुण :- शांति
– बीमारी :- श्वास से सम्बन्धित बीमारी, टी.बी., न्यूमोनिया, दमा, थायरॉइड संबंधित, स्वरयंत्र, अन्नालिका, श्वासनलिका संबंधित।
– परमात्मा से संबंध - सिविल सर्जन।

विज़न :- दृश्य बनायें और अनुभव करें, मैं आत्मा शिवबाबा के सम्मुख बैठी हूँ। उनसे दिव्य आसमानी रंग की किरणें शांति के गुण सहित मेरे विशुद्ध चक्र में समा रही हैं। बाबा मुझे दृष्टि दे रहे हैं। मुझमें शांति समाती जा रही है। जिससे चक्र से संबंधित अवयवों की व्याधियाँ ठीक हो चुकी हैं। मैं असीम शांति का अनुभव कर रही हूँ।

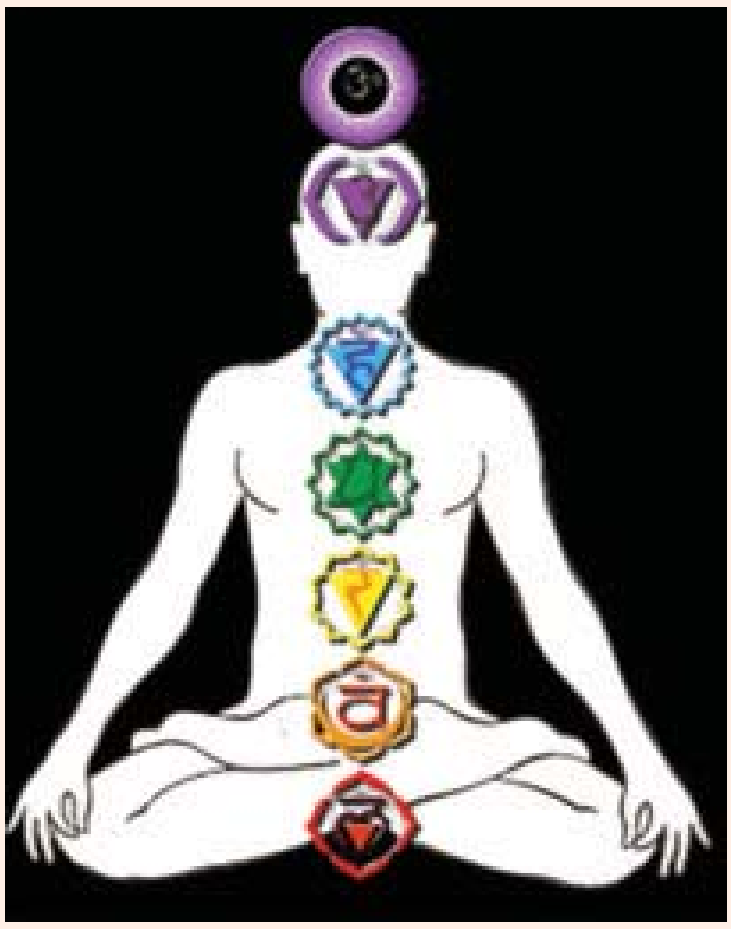

4. अनहद चक्र
– थायमस ग्रंथी और हृदय
– रंग :- हरा
– गुण :- प्रेम
– बीमारी - हृदय संबंधित, हार्टअटैक, हार्ट में छेद, धड़कन बढ़ना, हाई बी.पी., कोरोनरी आर्टरी डिज़ीज़, ब्लॉकेज आदि। प्रेम का सम्बन्ध दिल से होता है। जीवन में जब प्रेम की कमी आती है तो हमें हृदय सम्बन्धी बीमारी हो सकती है।
– परमात्मा से संबंध :- सिविल सर्जन।

विज़न :- दृश्य बनायें और अनुभव करें, मैं आत्मा शिवबाबा के सम्मुख बैठी हूँ। उनसे दिव्य चमकती हुई हरे रंग की किरणें प्रेम के गुण सहित मेरे अनहद चक्र में समा रही हैं। बाबा मुझे दृष्टि दे रहे हैं, जिससे चक्र से संबंधित अवयवों की बीमारियाँ ठीक हो चुकी हैं। मैं असीम प्रेम का अनुभव कर रही हूँ।

5. मणिपुर चक्र
– पेनक्रियाज़ ग्रंथी और हॉर्मोन्स
– रंग :- सुनहरा पीला
– गुण :- सुख
– बीमारी :- लिवर संबंधित, डायबिटीज़, हार्मोनल इन्बैलेंस आदि
– परमात्मा से संबंध :- सिविल सर्जन

विज़न - दृष्य बनायें एवं अनुभव करें, मैं आत्मा शिवबाबा के सम्मुख बैठी हूँ... उनसे दिव्य सुनहरी चमकती हुई पीले रंग की किरणें सुख के गुण सहित मेरे मणिपुर चक्र में समा रही हैं। बाबा मुझे दृष्टि दे रहे हैं। मैं आत्मा मास्टर सुख का सागर बनती जा रही हूँ। जिससे चक्र से संबंधित अवयवों की बीमारियाँ ठीक हो चुकी हैं। मैं असीम सुख का अनुभव कर रही हूँ।

6. स्वादिष्टान चक्र
– ओवरीज़, टेस्टीज़ ग्रंथी और इम्यून सिस्टम(रोगप्रतिकारक शक्ति)
– रंग :- नारंगी
– गुण :- पवित्रता
– बीमारी :- इन्फेक्शन, त्वचारोग, रिप्रोडक्टिव अंग, खून संबंधित रोग।
– परमात्मा से संबंध :- सिविल सर्जन

विज़न :- दृश्य बनायें और अनुभव करें, मैं आत्मा शिवबाबा के सम्मुख बैठी हूँ। उनसे दिव्य सुनहरी चमकती हुई नारंगी रंग की किरणें, पवित्रता के गुण सहित, मेरे स्वादिष्टान चक्र में समा रही हैं। बाबा मुझे पवित्रता का ताज पहना रहे हैं। ध्यान से देखें, मैं संपूर्ण पवित्र हो चुकी हूँ...मुझ आत्मा में पवित्रता समाती जा रही है...जिससे चक्र से संबंधित अवयवों की बीमारियाँ ठीक हो चुकी हैं...मैं असीम पवित्रता का अनुभव कर रही हूँ।

7. मूलाधार चक्र
– ॲड्रनिल ग्रंथी और अस्थी(bone), मांस(muscle)
– रंग :- लाल
– गुण :- शक्ति
– बीमारी :- हड्डी व मांस से संबंधित, कैल्शियम कम होना, जोड़ों में दर्द, सूजन, स्नायू में दर्द, बवासिर, ऑर्थराइटिस, यूरिक एसिड बढ़ना, घुटना घिस जाना।
परमात्मा से संबंध :- सिविल सर्जन

विज़न :- दृश्य बनायें और अनुभव करें, मैं आत्मा शिवबाबा के सम्मुख बैठी हूँ, उनसे शक्ति की लाल रंग की किरणें मेरे मूलाधार चक्र में समा रही हैं। मैं आत्मा मास्टर सर्वशक्तिवान बनती जाती हूँ। जिससे चक्र से संबंधित प्रत्येक अवयव स्वस्थ हो रहे हैं। सारी बीमारियाँ ठीक हो चुकी हैं। मैं आत्मा शक्तियों का अनुभव कर रही हूँ।

- क्रमश:

भुवनेश्वर-ओडिशा। श्रीमद्भगवद् गीता विषय पर चर्चा के पश्चात् राज्यपाल एस.सी. जमीर के साथ ब्र.कु. बृजमोहन,अतिरिक्त सचिव,ब्रह्माकुमारीज़, डॉ. पुष्पा पाण्डेय तथा ब्र.कु. गीता।

राँची-हरमू रोड। 'गीता ज्ञान का सत्य रहस्य' कार्यक्रम में दीप प्रज्वलित करते हुए डॉ. सतीश मिड्ढा,जी.आई.सर्जन, ब्र.कु. निर्मला, राज्यपाल द्रौपदी मुरमू, ब्र.कु. उषा,माउण्ट आबू, राजकुमार केडिया,व्यवसायी एवं प्रसिद्ध समाजसेवी तथा डॉ. अरुण।

डेनपसर-बाली(इंडोनेसिया)। इंडियन कॉन्सुलेट में भारत के गणतंत्र दिवस पर कार्यक्रम के दौरान चित्र में आर.ओ. सुनील बाबू,काउंसिल जेनरल ऑफ इंडिया, ब्र.कु. जानकी तथा अन्य।

भैरहवा-नेपाल। नेपाल के लिये भारतीय महामहिम राजदूत रन्जित रे को ईश्वरीय संदेश देते हुए ब्र.कु. शान्ति। साथ हैं ब्र.कु. भूपेन्द्र अधिकारी तथा अन्य।

खुटौना-मधुबनी(बिहार)। पंचायती राज्य मंत्री को राजयोग शिविर के उद्घाटन अवसर पर शॉल ओढ़ाकर सम्मानित करते हुए ब्र.कु. कंचन। साथ हैं जिला परिषद सदस्य बी.के. अरविंद महतो तथा अन्य।

आबू रोड-संगम भवन। ब्रह्माकुमारीज़ के शिक्षा प्रभाग द्वारा आयोजित 'श्रेष्ठ समाज के लिए मूल्यनिष्ठ शिक्षा' विषयक कार्यक्रम में सम्बोधित करते हुए ज्ञानामृत पत्रिका की संयुक्त संपादिका ब्र.कु. उर्मिला। साथ हैं आध्यात्मिक शिक्षा कोर्स के मुख्यालय संयोजक डॉ. आर.पी. गुप्ता, नगरपालिका अध्यक्ष सुरेश सिंदल, खंड विकास अधिकारी कुन्दन मल दवे, ब्र.कु. चंदा तथा ब्र.कु. देवू।